जहाज के परिचालन को बना कानून

- जुटे विशेषज्ञों ने माडल रूल को सूबे की बड़ी उपलब्धि और विकास में मददगार बताया
- बिहार अंतरदेशीय जलयान नियमावली 2013 के क्रियान्वयन को नीनी में हुई कार्यशाला
- मेरिन सिम्यूलेशन सेंटर का उद्घाटन

नवनिर्मित भवन में बने मेरिन सिम्यूलेशन सेंटर का उद्घाटन करते प्रमंडलीय आयुक्त

कार्यालय संवाददाता, पटना सिटी : लंबी प्रक्रिया और लंबे इंतजार के बाद आखिर बिहार के नाम और उपलब्धि जुड़ ही गयी। सूबे की नदियों में जहाज के परिचालन के लिए राज्य सरकार ने बिहार अंतरदेशीय जलयान नियमावली 2013 को कानूनी मंजूरी दे दी है। गुरुवार को गायघाट स्थित अंतरदेशीय नौवहन संस्थान (नीनी) में इस कानून के क्रियान्वयन के लिए कार्यशाला आयोजित कर संबंधित लोगों के बीच जागरूकता फैलायी गयी। इसमें डोमेन विशेषज्ञ, उद्योग जहाज मालिक, पोत संचालक, पोत प्रबंधक, शिपयार्ड, प्रशिक्षण संस्थानों के अलावा दूसरे राज्य के जल परिवहन विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। यह कानून जलयान अधिनियम 1917 के तहत देश के कई राज्यों में लागू कानून की मदद लेकर एक माडल नियम के रूप में बनाया गया है।

राज्य परिवहन विभाग के सचिव आरके महाजन ने जलयान नियमावली पर चर्चा करते हुए जलमार्ग को बढ़ावा देने तथा इसके महत्व पर प्रकाश डाला। प्रमंडलीय आयुक्त बाला प्रसाद ने नीनी परिसर स्थित नवनिर्मित भवन में बने मेरिन सिम्यूलेशन सेंटर का उद्घाटन किया। यहां जहाज के डेक आकार के बड़े पर्दे पर अत्याधुनिक उपकरण के माध्यम से समुद्र में जहाज के परिचालन का जीवंत प्रशिक्षण दिया जाता है। परिचालन के दौरान समुद्र में उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों को स्पेशल इफेक्ट्स के जरिए प्रदर्शित किया गया।

कार्यशाला में उपस्थित आइडब्लूएआइ के अध्यक्ष अमिताभ वर्मा, एआरआइ के उपाध्यक्ष आइवी सोलंकी, नीनी के प्राचार्य एके राय, आइएमयू विशाखापत्तनम के निदेशक यूएस रमेश, निदेशक सरदार गुरुमुख सिंह, कैप्टन दीपक अरोड़ा, पूर्व प्राचार्य अरूण कुमार, एस डंडापत, कैप्टन वीबी शर्मा आदि ने बिहार जलयान अधिनियम के तकनीकी समेत सभी पक्षों पर विस्तार से चर्चा हुयी। विशेषज्ञों ने बिहार के संदर्भ में नियमावली में और संशोधन की गुंजाइश बतायी है।

गंगा में चलेंगे 50 से अधिक मालवाहक जहाज : सब कुछ योजनाबद्ध तरीके से हुआ तो बिहार में बक्सर से फरक्का के बीच गंगा में 50 से अधिक मालवाहक जहाज अगले डेढ़ साल में चलने लगेंगे। बाढ़ एनटपीसी के लिए प्रतिवर्ष 30 लाख टन कोयला अगले दस वर्षों तक लाने का करार हो चुका है। इसके लिए हलदिया से फरक्का के बीच सात जगहों पर रिवर इंफार्मेशन सिस्टम लगेगा। दिन-रात जहाज का परिचालन करने की व्यवस्था बहाल है। इलेक्ट्रानिक नेविगेशन चार्ट लगेगा। जहाज का वास्तविक लोकेशन बताते के लिए गायघाट जेटी पर डीजीपीएस सिस्टम पहले से ही काम कर रहा है। तमाम व्यवस्था जून 2014 तक पूरा कर लेने का लक्ष्य है। आइडब्लूएआइ के अध्यक्ष अमिताभ वर्मा ने यह भी बताया कि इलाहाबाद के फुलपुर से इफ्को का खाद फतुहा तक लाने, गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए निर्माण सामग्री तथा साहिबगंज से स्टोन चिप्स जहाज द्वारा गंगा मार्ग से लाने की भी योजना है। गंगा में पचास से अधिक मालवाहक जहाजों की आवाजाही होने से बिहार के विकास की गति और तेज हो जाएगी।

जहाज का रजिस्ट्रेशन व मरम्मत भी : जलयान नियमावली बनने के बाद नौवहन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही बिहार में भी जहाज का रजिस्ट्रेशन हो सकेगा। अभी दूसरे राज्यों में रजिस्ट्रेशन होने से एक बड़ी राशि का राजस्व बाहर चला जाता है। आइडब्लूएआइ के निदेशक सरदार गुरुमुख सिंह ने बताया कि जहाजों के मरम्मत के लिए दीघा में ड्राइ-डाक यार्ड बनाने को लेकर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। जिंदल समेत कई बड़ी कंपनियों का जहाज गंगा में चलेगा।

नियम के तहत होगा जहाज का परिचालन

आइडब्लूएआइ के अध्यक्ष अमिताभ वर्मा ने बताया कि बने अधिनियम के आलोक में अब गंगा में मालवाहक तथा यात्री जहाजों का परिचालन नियमानुसार हो सकेगा। सूबे के विकास की गति और तेज होगी। व्यवसायी कम लागत में सुरक्षित व सुगम तरीके से प्रदेश, देश, विदेश से माल मंगा और भेज सकेंगे। यहां के युवाओं को रोजगार मिल सकेगा। नीनी द्वारा चलाए जा रहे कोर्स को अब सरकारी मान्यता मिल जाएगी। यहां के विद्यार्थियों की परीक्षा भी इसी नियम के अधीन विभाग द्वारा करायी जाएगी।

प्रशिक्षण पाए युवाओं को मिलेगा रोजगार

एआरआइ के उपाध्यक्ष कैप्टन आइवी सोलंकी ने बताया कि नीनी में एआरआइ द्वारा दिये जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण की परीक्षा अब परिवहन भाग, बिहार सरकार द्वारा करायी जाएगी। दिया जाने वाला प्रमाण-पत्र सर्वमान्य होगा। साथ ही यहां से प्रशिक्षण पाए विद्यार्थियों को आने वाले दिनों में जहाज का परिचालन सुचारू रूप से आरंभ होने पर प्राथमिकता मिल सकेगी।

गंगा सेतु पर जाम में फंसे वाहन जागरण

सेतु पर जाम से तड़पते रहे मरीज

कासं, पटना सिटी : महात्मा गांधी सेतु पर गुरुवार को दिनभर सैंकड़ों वाहनों की लंबी कतार लगी रही। इसमें फंसे यात्रियों को कई तरह की परेशानियों से जूझना पड़ा। महज 5.75 किलोमीटर लंबे सेतु को पार करने में दो से ढाई घंटा लगा। गाड़ियों की कतार में फंसे एम्बुलेंस पर मरीज बेचैन दिखे। इनके परिजन पुल पर तैनात पुलिस कर्मी से रो-गिड़गिड़ा कर मिन्नत करते रहे कि किसी तरह एम्बुलेंस जाने के लिए रास्ता निकाल दें। पुलिस ने विवशता जतायी कि यह मुमकिन नहीं क्योंकि पाया संख्या 44 पर के वन-वे पर वाहन फंसे हैं। उन्होंने जाम के लिए वैशाली क्षेत्र स्थित पुल के डाइवर्जन एवं यातायात व्यवस्था को जिम्मेदार ठहराया। गायघाट स्थित सेतु पर डाइवर्जन के बाद वन-वे में फंसे वाहनों को गति देने में पुलिस मुस्तैद दिखी लेकिन हाजीपुर से पटना आने वाले वाहन पाया संख्या 38 से पहले ही जाम में फंसे रहे। वाहनों की कतार पाया संख्या 44 तक लगी रही। तैनात पुलिस बल ने बताया कि सेतु की जाम समस्या के समाधान के लिए डीजीपी द्वारा की गयी बैठक और लिए गए अहम निर्णय का फिलहाल कोई असर पुल पर नहीं दिख रहा है।

कर्मचारियों ने अधीक्षक को घेरा

सिटी : बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की एनएमसीएच इकाई के कर्मचारियों ने गुरुवार को अपनी लंबित मांगों की पूर्ति के लिए अधीक्षक का घेराव कर कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने सेवा पुस्तिका को संपुष्ट कराने, एसीपी के बकाया भुगतान, वर्दी की आपूर्ति व मृत सरकारी सेवक के आश्रितों को पूर्ण भुगतान करने समेत अन्य मांगों को अधीक्षक डा. शिव कुमारी प्रसाद के समक्ष रखा। प्रदर्शन में विश्राम सिंह, शाखा मंत्री महेश्वरी प्रसाद राम, योग नारायण चौधरी, विजेंद्र राम, महेंद्र राम, धनुषधारी प्रसाद सिंह, उदय प्रसाद और प्रेम कुमार पाठक ज्योति समेत अन्य कर्मचारी शामिल थे।

सुडोकू पहेली का हल

4	3	9	5	2	6	7	1	8
2	8	5	3	7	1	9	6	4
7	6	1	8	4	9	5	3	2
9	1	8	4	6	3	2	5	7
6	2	3	7	9	5	4	8	1
5	7	4	2	1	8	6	9	3
3	5	2	9	8	4	1	7	6
8	4	6	1	5	7	3	2	9
1	9	7	6	3	2	8	4	5

दैनिक जागरण